नाम से परे हैं पिया नाम तो धराया यहां
जाने सब नाम को नाम का ना नाम वहां
शब्दों में आये शब्दातीत जो कहलाए है
1--दुनि नाम सुन नरक कट जाए रे
नाम असल हम पे अखंड सुख पाए रे
भेद समझ पिया तेरा जो जाए रे
वो ही पिया मेरे तुमको पा जाए रे
2--नाम श्री कृष्ण,श्री देवचन्द्र धराए रे
नाम दोऊ मेट श्री प्राणनाथ कहलाए रे
कारण रूहों के कई भेष बनाए रे
निसबत बिना कोई जान ना पाए रे
3--शब्दों से ही सुध पिया की आई
इश्क की लज्जत शब्दो से पाई
धार के तन पिया माया में आए रे
सनमधं की सुध शब्दों से पाई रे
4--मोह तत्व यहां रास श्री कृष्ण तत्व
नूर तत्व परमधाम सुहाये रे
तारतम बिना कोई भेद ना पाए रे
तारतम सबकी कुन्जी कहाए रे

Nijanand App